Date
Page

वैधता (Validity) → किसी परीक्षण की वैधता उसकी वह मात्रा है जिस मात्रा तक वह उस वस्तु को मापता है, जिसके लिए उसका निर्माण किया गया है।

कोई भी मापन विधि उस सीमा तक वैध है, जिस सीमा तक वह उस कार्य के किसी सफल मापन से सह-सम्बंधित (Correlated) है, जिसके सम्बंध में पूर्व-कथन करने के लिए उसका निर्माण किया गया है।

क्रॉनबैक के शब्दों में "किसी परीक्षण की वैधता उसकी वह सीमा है जिस सीमा तक वह, वही मापता है, जिसके लिए उसका निर्माण किया गया है।

(A) **तार्किक वैधता (Logical Validity)** → यह ज्ञात करने के लिए कि परीक्षण क्या मापता है हम तार्किक विश्लेषण करते हैं। तर्क विचारों की संगति पर निर्भर करता है। इसको ज्ञात करने के दो उपाय हैं-

① **निगमनात्मक (Deductive Validity)** → सामान्य से विशेष निर्णय की ओर होता है। जब हमें निगमनात्मक वैधता प्राप्त करनी होती है तो हम यह जानने की चेष्टा करते है कि क्या परीक्षण मापित विशेषता की सही परिभाषा से मेल खाता है या नहीं। इसके लिए विशेषताओं को वस्तुनिष्ट रूप में परिभाषित करना होता है।

Scanned with CamScanner

(ii) आगमनात्मक वैधता (Inductive Validity) →

इस प्रकार की वैधता प्राप्त करने के लिए विशेष से सामान्य की ओर बढ़ते हैं इसमें हम परीक्षण के आधार पर विशेषता को नाम देकर, परीक्षण की वैधता ज्ञात करते है।

परिभाषा (Deffination) →

फ्रीमैन के शब्दों में "वैधता सूचकांक उस मात्रा को व्यक्त करता है, जिस मात्रा में परीक्षण लक्ष्य को मापता है, जिसके लिए इसे बनाया गया है।"

गैरट के अनुसार "किसी परीक्षण या किसी मापन उपकरण की वैधता, उस यथार्थता पर निर्भर करती है, जिससे वह उस तथ्य को मापता है, जिसके लिए इसे बनाया गया है।"

गुलिकसन के अनुसार "वैधता किसी कसौटी के साथ परीक्षण का सह-सम्बंध है।

आर० एल० थॉर्नडाइक के अनुसार "कोई मापन विधि उतनी ही वैध है जितनी यह उस कार्य में सफलता के किसी मापन से सम्बंधित है जिसके पूर्वकथन के लिए यह प्रयुक्त हो रही है।"

Scanned with CamScanner

Date
Page

वैधता को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting validity) →

परीक्षण की वैधता को प्रभावित करने वाले कुछ कारक निम्न हैं:-

1. अस्पष्ट निर्देशन (Unclear Instructions)
2. अभिव्यक्ति का माध्यम (Medium of Expression)
3. प्रश्नों की भाषा (Language of Items)
4. शब्दावली (Vocability of Items)
5. प्रश्नों का कठिनाई स्तर (Difficulty level of Items)
6. प्रश्नों की वस्तुनिष्ठता (Objectivity of the Test)
7. प्रकरणों का अवांछित भार (Inadequate weightage to topics)

Scanned with CamScanner

परीक्षण वैधता को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Test validity) →

(1) अस्पष्ट निर्देश (Unclear Instructions) →

यदि परीक्षार्थियों को परीक्षण के सम्बंध में दिये गये निर्देश अस्पष्ट अथवा अपूर्ण है तो परीक्षण की वैधता कम हो जाती है। परीक्षण का उद्देश्य क्या है या प्रश्नों के उत्तर किस तरह से देने हैं या प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समय सीमा क्या है, आदि बातों को परीक्षार्थियों को परीक्षण प्रारम्भ होते समय ठीक से मालूम न होने पर प्राप्तांकों में त्रुटि के बढ़ जाने की संभावना रहती है, जो परीक्षण की वैधता को घटा देती है।

(2) अभिव्यक्ति का माध्यम (Medium of Expression)

परीक्षण में निर्देशों व प्रश्नों को किस माध्यम में लिखा गया है तथा परीक्षार्थियों को उत्तर किस माध्यम में देना है, यह बात भी परीक्षण की वैधता को सार्थक रूप से प्रभावित करती है यदि परीक्षण को छात्रों की मातृभाषा या उनके द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली भाषा में बनाया जाता है तो छात्रगण परीक्षण के प्रश्नों को अच्छी तरह से समझ कर उनका उत्तर दे सकते हैं।

Scanned with CamScanner

③ प्रश्नों की भाषा एवं शब्दावली (Language and vocabulary of Items) →

प्रश्नों की भाषा तथा शब्दावली का भी परीक्षण वैधता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अत्यधिक क्लिष्ट व जटील शब्दों तथा साहित्यिक भाषा के प्रयोग से कोई भी परीक्षण शाब्दिक बोध का परीक्षण बन जाता है न कि उस योग्यता का जिसके लिए उसे बनाया या प्रयोग में लाया जा रहा है। द्वि अर्थ वाले शब्दों के प्रयोग से भी परीक्षण की वैधता कम हो जाती है।

④ प्रश्नों का कठिनाई स्तर (Difficulty level of Items) →

परीक्षण की वैधता उसमें सम्मिलित प्रश्नों के कठिनाई स्तर से भी प्रभावित होती है। अत्यधिक सरल या कठिन प्रश्नों वाले परीक्षण की वैधता प्रायः कम होती है जबकि औसत कठिनाई वाले प्रश्नों से युक्त परीक्षण प्रायः अधिक विश्वसनीय होता है।

⑤ प्रश्नों की वस्तुनिष्ठता (Objectivity of the Test) →

परीक्षण की वस्तुनिष्ठता का भी उसकी वैधता से घनिष्ठ सम्बंध होता है। प्रायः वस्तुनिष्ठ परीक्षण अधिक वैध पाये जाते हैं जबकि निबंधात्मक परीक्षण कम वैध होते हैं।

Scanned with CamScanner